पूर्ण पाठ · निःशुल्क PDF

हनुमान आरती

आरती कीजै हनुमान लला की

Vista Hub · vhoriginal.com
साफ टाइप · प्रिंट के लिए तैयार

कैसे गाएँ

भक्ति पाठ सहायता

शांत स्थान पर खड़े या बैठें। दीप–कपूर की थाली वैकल्पिक है। मन एकाग्र कर बजरंगबली का स्मरण करें।

यह **हनुमान आरती** है — चालीसा से अलग छोटा आरती पाठ। एक व्यक्ति पद बोले, बाकी टेक मिलाएँ: *आरती कीजै हनुमान लला की*।

मंगलवार, शनिवार की संध्या, हनुमान जयंती, या रोज़ की पूजा के अंत में गाएँ। परिवार की रीति से एक या तीन बार।

श्रद्धा शांत रहे — जबरदस्ती का नियम नहीं।

श्रद्धा नोट

यह **भक्ति पाठ सहायता** है — घर की पूजा-आरती के लिए स्वयं टाइप किया गया पारंपरिक लोक-पाठ।

आधिकारिक मंदिर प्रकाशन नहीं। किसी प्रकाशक की स्कैन या कॉपी नहीं। हनुमान चालीसा से यह अलग है। तिथि/रीति पंचांग व परिवार से बदल सकती है। चिकित्सा, कानूनी सलाह या फल की गारंटी नहीं। Vista Hub · vhoriginal.com

आरती

पद 1–4

आरती कीजै हनुमान लला की।

दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

जाके बल से गिरिवर कांपे।

रोग दोष जाके निकट न झांके॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

अंजनि पुत्र महा बलदाई।

मन क्रम वचन ध्यान जो लाई॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

कंचन थार कपूर की बाती।

आरती करत अंजनि मैया दाती॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

आरती (जारी)

पद 5–7

लंक विध्वंस किए रघुराई।

तुलसीदास स्वामी कीर्ति मनाई॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

जो हनुमान जी की आरती गावै।

बसि वैकुंठ परम पद पावै॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

लंक में जाय विभीषण राखा।

सकल सोध के बैरी नाशा॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

आरती (समापन)

पद 8–समाप्ति

सुर नर मुनि जन आरत भारी।

जय जय जय हनुमान उरारी॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

कपि राज बलि कीजै गोसाईं।

दिन दिन कीर्ति बढ़ाई॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

आरती कीजै हनुमान लला की।

दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥

आरती कीजै हनुमान लला की॥

॥ हनुमान आरती समाप्त ॥

यह पाठ स्वयं टाइप किया गया है · भक्ति पाठ सहायता · आधिकारिक मंदिर प्रकाशन नहीं · Vista Hub

हनुमान चालीसा से अलग आरती पाठ